परिशिष्ठ – 2

प्रयोगशाला में कार्य करने हेतु सामान्य निर्देश

1. प्रयोगशाला में सदैव पूरी तैयारी के साथ आएं। जो प्रयोग आपको करना है उसकी सैद्धांतिक जानकारी, विधि आदि का पूरा ज्ञान होना चाहिए। बिना जानकारी के प्रयोग करने का अर्थ होगा अपना समय, ऊर्जा और रसायन नष्ट करना ।
2. अपना प्रयोग स्वयं और पूर्ण विश्वास के साथ करें। यदि कोई समस्या हो तो अपने अध्यापक से पूछे लें दूसरे विद्यार्थियों के कार्य में व्यवधान न डालें।
3. प्रयोगशाला में किसी पदार्थ का स्वाद जानने का प्रयास न करें। अधिकांश रसायन विषैले होते हैं तथा किसी भी सीमा तक हानिकारक हो सकते हैं।
4. अपना कार्य सदैव एक व्यवस्था के अनुसार करें। उल्टा सीधा नहीं।
5. फिल्टर पत्र के टुकड़े, कांच के टुकड़े, टूटी परखनली, अन्य ठोस पदार्थ आदि सिंक में न डालें। इन्हें कचरे के लिये रखे गये पात्र में डालें।
6. गर्म सान्द्र विलयन जैसे गर्म सान्द्र H_2SO_4 को सीधा सिंक में न डालें। विलयन को ठंडा होने दें फिर धीरे–धीरे सिंक में डालें।
7. जलती हुई दियासलाई या अन्य कोई जलती हुई वस्तु कचरे के पात्र में न डालें। इससे आग लगने की दुर्घटना हो सकती है।
8. अपनी टेबल पर अधिक संख्या में बोतलें और अन्य सामग्री इकट्ठी न होने दें। इससे गलती हो सकती है। काम होते ही बोतल या अन्य सामग्री को वापस अपने स्थान पर रख दें।
9. पानी का नल व्यर्थ न छोड़ें।
10. गैस बर्नर व्यर्थ न जलने दें। आवश्यक नहीं हो तो बन्द कर दें।
11. अभिकर्मकों की आवश्यक मात्रा ही काम में लें। अधिक मात्रा से परिणाम गलत आ सकता है तथा मूल्यवान रसायन भी व्यर्थ जाते हैं।
12. अपने प्रयोग समाप्त करने के पश्चात अपने उपकरण साफ करके ही प्रयोगशाला छोड़ें।
13. अपने परिणाम अपने शिक्षक को अवश्य दिखाएं जिससे आपको अपनी गलती की जानकारी हो सके और उसे उसी समय सुधारने का अवसर मिल सके।
14. अपने प्रेक्षणों एवं परिणामों को कागज के टुकड़ों पर नोट न करें। इन्हें अपनी प्रायोगिक पुस्तिका

में ही लिखें।

15. प्रयोगशाला में किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर तुरन्त इसकी सूचना अपने अध्यापक अथवा प्रयोगशाला प्रभारी को दें।

16. अपने प्रयोग सावधानीपूर्वक इस प्रकार करें जिससे न तो आपको कोई हानि पहुंचे और न ही आस–पास कार्य कर रहे अन्य विद्यार्थियों को कोई नुकसान हो।

17. शरीर के किसी हिस्से पर अम्ल या अन्य विलयन गिरने पर उसे जल से अच्छी तरह धोएं। घाव या जलन होने की स्थिति में तुरन्त डॉक्टर को दिखाएं।

18. कोई रसायन या अन्य पदार्थ आंख में गिरने पर आंख को मलें नहीं। आंख जल से भली भांति धोएं और फिर डॉक्टर को दिखा दें।

19. जहां तक हो सके गैसों को अधिक न सूंघें। यदि कोई गैस अधिक सूंघ ली है तो प्रयोगशाला से बाहर जाकर शुद्ध हवा में सांस लें।

20. प्रयोगशाला में इस प्रकार की व्यवस्था होनी चाहिए कि गैस बाहर निकलती रहे। अन्दर के वातावरण को सीमा से अधिक प्रदूषित न होने दें। एक्जास्ट फेन लगावें

* * * * *